नवभारत
www.navbharatlive.com

'वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण शिविर' को प्रतिसाद

ग्रामीण वित्तीय जागरूकता का अनूठा उत्सव

■ **नागपुर,** कार्यालय प्रतिनिधि. देश की आर्थिक प्रगति केवल बड़े उद्योगों या महानगरों के विकास से नहीं, बल्कि गांव-गांव, बस्ती-बस्ती में हर व्यक्ति के आर्थिक सशक्तिकरण से तय होती है. इसी संदेश के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान' की शुरुआत की है. तीन माह तक चलने वाले इस राष्ट्रीय अभियान के तहत देशभर की 2 लाख 70 हजार ग्राम पंचायतों और नगरीय स्थानीय निकायों में री-केवाईसी शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि हर नागरिक तक बैंकिंग सेवाएं सरलता से पहुंच सकें. इसी कड़ी में शुक्रवार को नागपुर जिले की महादुला ग्राम पंचायत में, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सहयोग से, बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 'वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण शिविर एवं जनजागरण कार्यक्रम' भव्य रूप से आयोजित किया गया. सुबह से ही ग्राम पंचायत परिसर में नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिसमें महिलाएं, युवा और वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. प्रमुख अतिथि के रूप में चारुलता एस. कर कार्यकारी निदेशक, आरबीआई, सचिन वाई. शेंडे क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, सुजाता लाल मुख्य महाप्रबंधक, आरबीआई और अंजना श्यामनाथ उप महाप्रबंधक, आरबीआई उपस्थित थीं. इनके साथ आशीष कुमार शर्मा सहायक महाप्रबंधक, ईसीसीबी-बैंक ऑफ इंडिया, नागपुर, कुलदीप किशोर सहायक महाप्रबंधक, एसएमई-बैंक ऑफ इंडिया, नागपुर), जिला अग्रणी प्रबंधक चंद्रशेखर निम्बुलकर, नम्रता ठाकरे एएफडी नागपुर, सुशील गिरिपुंजे जीओडी नागपुर, आरबीआई से सेवानिवृत्त शर्मिष्ठा , महादुला ग्रापं सरपंच शरद दाडुरे और पंचाला ग्राम के उपसरपंच योगेश म्हात्रे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे. अतिथियों ने केवाईसी की आवश्यकता, बैंक खातों का अद्यतन, बीमा और पेंशन योजनाओं के महत्त्व पर विस्तार से मार्गदर्शन किया. साथ ही डिजिटल लेन-देन में सावधानी और धोखाधड़ी से बचाव के उपाय भी साझा किए.

लोगों को सभी सेवाएं मिली एक ही छत के नीचे

शिविर में केवाईसी व री-केवाईसी अद्यतन, नए जनधन खाते खोलना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में पंजीकरण, दावा न की गई जमा राशियों की जानकारी तथा डिजिटल धोखाधड़ी रोकथाम पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया. नागरिकों ने दस्तावेज सत्यापन कराया, नई योजनाओं में पंजीकरण किया और डिजिटल बैंकिंग से जुड़ी शंकाओं का समाधान पाया.

संकट के समय में लाभार्थियों को मिली बड़ी राहत

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये का प्रतीकात्मक धनादेश लाभार्थी परिवारों को प्रदान किया गया. कई लाभार्थियों ने इसे संकट के समय में बड़ी राहत बताया. सुबह से शाम तक शिविर में लोगों की कतारें लगी रहीं. महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के लिए योजनाओं की जानकारी ली, युवाओं ने डिजिटल बैंकिंग में गहरी रुचि दिखाई और वरिष्ठ नागरिकों ने री-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर संतोष व्यक्त किया. बैंक ऑफ इंडिया, शीतलवाड़ी शाखा के प्रबंधक मनीष गजभिये व उनकी टीम, साथ ही राहुल गणवीर शाखा प्रबंधक, कोंदामेंढी, जितेंद्र चोले शाखा प्रबंधक, मनसर और रक्षक राऊत शाखा प्रबंधक, कांद्री का विशेष योगदान रहा. संचालन आंचल कुमारी और आभार प्रदर्शन आशीष कुमार शर्मा ने किया.